समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• मार्च २०२२ • वर्ष ७३ • अंक ०३

मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

सुश्री नंदिनी अग्रवाल

सुश्री राधिका बेरीवाला

श्री चिराग अग्रवाल

श्री सर्वेश साबू

गत ०५ मार्च २०२२ को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा 'शिक्षित मारवाड़ी युवा : सफलताओं के नये क्षितिज' पर विषयक विचारगोष्ठी का आयोजन किया गया। विचारगोष्ठी में पूरे देश में चार्टर्ड अकाउंटेंसी की परीक्षा में प्रथम सुश्री नंदिनी अग्रवाल (२०२१) तथा सुश्री राधिका बेरीवाला (२०२२), कंपनी सेक्रेटरीशीप में प्रथम श्री चिराग अग्रवाल एवं कॉस्ट एण्ड मैनेजमेंट अकाउंटेंसी इंटरमीडिएट में प्रथम श्री सर्वेश साबू का स्वागत-अभिनंदन किया गया, बधाईयाँ दी गई एवं उनके विचार-संदेश लिए गए।

गत २१ मार्च २०२२ को राष्ट्रपति भवन, दिल्ली में महामहिम राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद ने अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला को पदमश्री से नवाजा। यह पूरे समाज, विशेषकर अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन, के लिए अत्यंत गौरवप्रद है। श्री अगरवाला को अनंत बधाईयाँ, अशेष मंगलकामनायें!

इस अंक में :

★ **अध्यक्षीय :** अहंकार का विसर्जन करें

★ **सम्पादकीय :** विवाह संस्कार की मर्यादा

★ **प्रादेशिक समाचार :** आन्ध्र प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, पश्चिम बंग

★ होली में उपाधियों का मुक्तहस्त वितरण

★ **रपट :** राष्ट्रीय स्थायी समिति की बैठक; विचारगोष्ठी - शिक्षित मारवाड़ी युवा : सफलताओं के नये क्षितिज पर; पुस्तक विमोचन - जीवन के मोड़

Rungta Office, Nagar Parishad Complex, Chaibasa, Jharkhand- 833201
Email - tmtsales@rungtasteel.com

समाज विकास

◆ मार्च २०२२ ◆ वर्ष ७३ ◆ अंक ३
◆ एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००

अनुक्रमणिका

शीर्षक	पृष्ठ संख्या
● **सम्पादकीय : शिव कुमार लोहिया** विवाह संस्कार की मर्यादा	४
● **अध्यक्षीय : गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया** अहंकार का विसर्जन करें	५
● **रपट –** राष्ट्रीय स्थायी समिति की बैठक विचारगोष्ठी	 ६ ७
● प्रादेशिक समाचार	८-११, १४-१८
● होली की उपाधियाँ	१२-१३
● **आलेख – गोपाल जालान** मारवाड़ी बिहू	२०
● विविध	२१
● **देव-स्तुति : डॉ. जुगल किशोर सर्राफ**	२२

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
All India Marwari Federation

प्रशासनिक एवं सम्पर्क कार्यालय : **४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७**
फोन : ०३३-४००४ ४०८९

पंजीकृत कार्यालय : १५२बी (द्वितीय तल), महात्मा गांधी रोड कोलकाता - ७००००७

◆ email: aimf1935@gmail.com
◆ Website : www.marwarisammelan.com

स्वत्वाधिकारी ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन के लिये **श्री भानीराम सुरेका** द्वारा ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन, ४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), कोलकाता-१७ से प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित।

◆ प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा ◆ सम्पादक : शिव कुमार लोहिया

प्रकाशित रचनाओं से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

बधाई !

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के कोषाध्यक्ष एवं समर्पित समाजसेवी श्री विजय मस्करा सी.ए. को भारत सरकार की स्वीकृति से केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड दिल्ली द्वारा क्षेत्रीय प्रत्यक्ष कर सलाहकार समिति, बिहार क्षेत्र का सदस्य मनोनीत किया गया है।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर श्री मस्करा को हार्दिक बधाइयाँ देते हुए उनकी उत्तरोत्तर प्रगति एवं उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना करता है!

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
4बी, डकबैक हाउस (चौथा तल्ला)
41, शेक्सपियर सारणी, कोलकाता-700 017

समाज से सादर निवेदन

वैवाहिक अवसर पर मद्यपान करना - कराना धार्मिक एवं सामाजिक दोनों रूप से उचित नहीं है।

प्री-वेडिंग शूट हमारी सभ्यता एवं संस्कृति के खिलाफ है।

समाजहित में इनसे परहेज करें।

निमंत्रण में ई-कार्ड को बढ़ावा दें।

विवाह संस्कार की मर्यादा

हिन्दू सोलह संस्कारो में विवाह संस्कार बेहद अहम होता है। हिन्दू धर्म में विवाह का बंधन जन्म-जन्मांतर का माना जाता है। श्रुति ग्रंथों के अनुसार दो शरीर, दो मन, दो बुद्धि, दो हृदय, दो प्राण एवं दो आत्माओ का मेल ही विवाह है। विवाह गृहस्थाश्रम की आधारशिला है। अन्य पन्द्रह संस्कार इसी संस्कार पर निर्भर है। गृहस्थाश्रम में धर्म, अर्थ, काम की सिद्धि का साधन भी विवाह संस्कार है। यह संस्कार जीवन में सभी प्रकार की मर्यादाओं की स्थापना करनेवाला होता है। विवाह संस्कार वैदिक ऋषियों-मनीषियों की अत्यंत सूझ-बूझ एवं चिन्तन का परिणाम हैं। उसका मुख्य उद्देश्य है –

१. वंश वृद्धि करना
२. पितृऋण से मुक्ति हेतु संतानोत्पति करना
३. यज्ञादि धार्मिक अनुष्ठानों की योग्यता
४. सामाजिक एवं धार्मिक कर्त्तव्यों का निर्वाह
५. धर्मानुकूल काम की पूर्ति
६. स्वेच्छाचारी यौनाचार पर अंकुश
७. बच्चों के पालन-पोषण तथा शिक्षा-दीक्षा के उपयुक्त वातावरण का संयोजन
८. सुख-दुख में सहभागिता हेतु जीवनसाथी की प्राप्ति।

भारतीय संस्कृति के अनुसार विवाह सिर्फ शारीरिक पर सामाजिक बंधन ही नही बल्कि उसे श्रेष्ठ आध्यात्मिक साधना का भी स्वरूप दिया गया है। इसीलिये कहा गया है 'धन्यो गृहस्थाश्रमः। दो प्राणी अपने अलग-अलग अस्तित्व को समाप्त कर एक सम्मिलित इकाई का निर्माण करते हैं। पति-पत्नी एक दूसरे की अपूर्णताओं को अपनी अपनी विशेषताओं से पूर्ण करते हैं। सनातन हिंदू पद्धति में वधू को लक्ष्मीस्वरूपा एवं वर को विष्णु के अवतार की मान्यता दी गई है।

आज विवाह में रंग, रूप, वेश-विन्यास के आकर्षण को पति-पत्नी के चुनाव मे प्राथमिकता दी जाती है। पराकाष्ठा तो तब होती है जब विवाह संस्था को ही नकार दिया जाता है एवं स्त्री-पुरुष 'लिव-इन' संबंधो में अपना जीवन निर्वाह करते हैं। पिछले वर्ष सर्वोच्च न्यायालय ने भी कह दिया कि अगर दो वयस्क व्यक्ति आपसी रजामंदी से, शादी के बगैर साथ रहते हैं, तो इसमें कुछ गलत नहीं, यह अपराध नहीं। विवाह के नाम पर समाज की जो मान्यताएँ थी, सब एक के बाद एक ध्वस्त होती जा रही हैं। हमारा समाज भी इससे अछूता नहीं है। पिछले कुछ वर्षों से विवाह समारोह में प्री-वेडिंग समारोह का प्रचलन जोर पकड़ रहा है। इसके तहत शादी से पूर्व, होनेवाले पति-पत्नी देश-विदेश के अलग-अलग जगहों पर जाकर अलग-अलग कम से कम परिधानों में एक-दूसरे के भिन्न-भिन्न भंगिमाओं में वीडियो शूटिंग करवाते हैं। इन जगहों में घूमने के स्थल, समुद्र किनारा, होटल आदि होते हैं, जहाँ पर ज्यादातर दम्पति विवाह के बाद हनीमून मनाने जाते हैं। फिर उस वीडियो को तरह-तरह के भड़काऊ गीतों एवं अन्य माध्यमों में आकर्षक बनाकर समारोह के बीच सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित किया जाता है।

विवाह संस्कार के साथ जितना मजाक हो रहा है, वह अत्यंत दुखद है। हमें यह देखना है कि प्रारम्भ में दिये गए विवाह के सात उद्देश्यों में से कौन से उद्देश्यों की पूर्ति आज हो रही है। सनातन धर्म में वर-वधू की पवित्रता को इतना महत्व दिया जाता है कि सेहरा पहने लड़के से चरणस्पर्श तक नहीं करवाया जाता। हल्दी लगी दुल्हन को अकेला नहीं छोड़ते। लेकिन अब इवेंट्स मैनेजमेंट, प्री वेडिंग शूट जैसे चोंचलों की आड़ में रतिक्रिया का प्रदर्शन छोड़ हर तरह की अश्लीलता का सरेआम प्रदर्शन हो रहा है। विवाह एक संस्कार की जगह एवं निष्प्राण अनुबंध का रूप धारण कर रही है जोकि दैहिक आकर्षण एवं सुख के लिये सम्पन्न किया जाता है। विवाह संस्कार से अधिक आडम्बर एवं प्रदर्शन का रूप लेता जा रहा है। विवाह की उमर बढ़ती जा रही है। तीस वर्षों के अनब्याहे लड़के-लड़कियों की संख्या बढ़ रही है। हमारे संस्कारों की धज्जियाँ उड़ाने वाले टीवी सीरियल, नौटंकी, फिल्में और उच्च धनाढ्य लोगों की शादियों से हम प्रभावित हो रहे हैं। हिन्दू दूल्हन को कभी सुट्टा लगाते, चिलम फूँकते कभी हाथ मे शराब का गिलास थामे, कभी लहंगा की जगह शार्ट्स पहना देते हैं। पाश्चात्य सभ्यता की नकल करके दूल्हा-दुल्हन शैम्पेन की बोतल खोल रहे हैं, आलिंगन के दृश्य दे रहे हैं एवं भरे मंडप में चुम्बन ले रहे हैं, दे रहे हैं।

विवाह के अवसरो पर खुलकर शराब के काउंटर लग रहे हैं, जहाँ पर महँगे से महँगे किस्म के शराब परिवेषित किये जाते हैं। वस्तुतः शराब के किस्मों से विवाह समारोह का मूल्यांकन होता है। इस प्रकार की अधोगति के परिणाम सामने आने लगे हैं। विवाह-विच्छेद एवं टूटते संबंधो की होड़ लगी हुई है। विवाह के कुछ दिनों के अंदर ही आरोप-प्रत्यारोप के तीर चलने शुरू हो जाते हैं। अदालतों तक मामला पहुँचने से पहले घर-घर में मुकदमे चलने लगते है। दो परिवार जो जन्म-जन्म के रिश्तों के संकल्प के साथ जुड़ते हैं, उनके संबंधो में दरार आने लगती हैं। आज के लड़कों को पत्नी नहीं, फिल्म की हीरोइन चाहिए।

आधुनिकता एवं आधुनिक शिक्षा के खोखलेपन ने सब कुछ बदल दिया है। नारी स्वतंत्रता एवं सशक्तिकरण के नाम पर संबंध बेलगाम हो गये है। आज की लड़कियाँ किसी की पत्नी बनने में संकोच करती हैं, बहू बनने का तो प्रश्न बाद में आता है। पति-पत्नी दोनों स्वतंत्रता चाहते हैं। किसी प्रकार की टोक-टाक बर्दाश्त के बाहर है। उन्हें उन्मुक्तता चाहिये, जिसमें यौन उन्मुक्तता भी शामिल है। ऐसी हालत में अगर टकराव न हो तो विश्व का आठवाँ आश्चर्य होगा। शादी कुछ वर्षो तक चल भी जाती है तो उस उन्मुक्तता के प्रभाव से घर में बच्चे पैदा करने में विलम्ब होता है।

इस प्रकार हम समझ सकते हैं कि समाज के ताने-बाने का स्वरूप सोचनीय होता जा रहा है। बिना ब्रेक की इस तेज दौड़ती गाड़ी को किस प्रकार रोका जाय, समाज के कर्णधारों को अविलम्ब सोचना चाहिये। घर के बड़े-बुजुर्ग आँख मीचकर आगे बढ़ रहे हैं। समस्या यह है कि बिल्ली के गले में घंटी बाँधे कौन?

शिव कुमार लोहिया

अध्यक्षीय

अहंकार का विसर्जन करें

– गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया

स्नेही बन्धुगण,

होली की बधाई एवं शुभकामनाएँ। होली में इस बार शीत के बजाय गृष्म की ललक है। खूब मन से, आनंद से होली खेलें। सभी विकारों का होली में दहन कर दें। अपने मन में सुख का अनुभव करें – वहीं छुपा बैठा है। सुखी रहिएगा – स्वस्थ रहिएगा। आनंद-उमंग और मनोविनोद का यह त्यौहार हमें सुख देने के लिए ही आता है। यह आनंद पर्व है। मनोकामना है कि सभी आनंदित रहें।

होली मनाने की कहानी से तो आप सभी परिचित हैं। एक तरफ श्रीहरि-भक्त प्रह्लाद, दूसरी तरफ उसके असुर पिता हिरण्यकशिपु जो श्रीहरि विष्णु को अपना शत्रु मानते हैं। प्रह्लाद को बार-बार मना करने के बाद भी वह प्रभु के नाम का स्मरण करता रहता है। सब चेतावनियाँ जब असरहीन हो जाती हैं, तो हिरण्यकशिपु प्रह्लाद को मरवाने की सोचता है। उसे पहाड़ से नीचे धकेला जाता है, खौलते हुए पानी की कढ़ाई में डाला जाता है, विष दिया जाता है, विषैले नागों की कोठरी में बंद कर दिया जाता है और इसी तरह के उसे जान से मारने के अनेक प्रयास किए जाते है, पर सब निष्फल रहते हैं। होलिका, हिरण्यकशिपु की बहन जिसे आग से न जलने का वरदान था, प्रह्लाद को अपनी गोद में लेकर बैठती है और उसके चारों तरफ आग लगा दी जाती है। होलिका जल जाती है पर प्रभु का नाम सुमिरन करने से प्रह्लाद का बाल भी बांका नहीं होता। इस खुशी में होली का पर्व मनाया जाता है। कई जगह रंग पंचमी से तो कई जगह रंगभरी एकादशी से होली का उत्सव शुरू हो जाता है। यह समरसता का त्यौहार है। छोटे-बड़े, गरीब-अमीर, सभी धर्मों को मानने वाले आपस में होली खेलते हैं। ब्रज और अवध की होली खूब उल्लास और आनंद के साथ मनाई जाती है।

होली के अवसर पर आपस में भाईचारा बढ़ जाता है। अवध के नवाब शुजाउद्दौला, उनके पुत्र आसफुदौला तथा उनकी बेगम शम्सुनिशा तथा नवाब सादत अली तथा आखिरी नवाब वाजिद अली शाह ने खूब होली खेली है। वाजिद अली शाह ने होली पर ठुमरियाँ भी लिखी हैं। उनको कृष्ण बनकर होली खेलने का शौक था। उनका कहना था – **हम इश्क के बंदे हैं मजहब से नहीं वाकिफ, गर काबा हुआ तो क्या, बुतखाना हुआ तो क्या?** एक बार होली और मोहर्रम एक ही दिन पड़ गए। उन्होंने होली भी मनाई और फिर मोहर्रम का मातम भी। **गोपालदास नीरज** का होली पर एक संदेश:

तुम दीवाली बनकर जग का तम दूर करो
मैं होली बनकर बिछड़े हृदय मिलाऊंगा।

प्रसिद्ध कवि **हरिवंश राय बच्चन** का संदेश:

होली है तो आज अपरिचित से परिचय कर लो
होली है तो आज मित्र को पलकों में धर लो
भूल शूल से भरे वर्ष के वैर विरोधों को
होली है तो आज शत्रु को बाहों में भर लो

होली अहंकार को दहन करने का पर्व है। राग-द्वेष, गिले-शिकवे सब को भूल जाने का पर्व है। होली समरसता, भाईचारे, प्रेम और सौहार्द का पर्व है। आनंद-उल्लास का पर्व है। मन के विषाद से मुक्ति पाने का पर्व है।

मंदिरों में भगवान के साथ आजकल फूलों की होली खेली जाती है जो बहुत मनमोहक लगती है। आजकल होली धीरे-धीरे बदरंग भी होती जा रही है। फूहड़ता और अश्लीलता इसमें समाती जा रही है जो चिंतनीय है। आज के समय में अपनों के संग ही होली खेलना चाहिए। एक पवित्र और भाईचारे के पर्व को कुछ असामाजिक तत्वों ने अरुचिकर बना दिया है। इस त्यौहार की गरिमा बनाए रखने के लिए कटुता, वैमनस्य, अहंकार, अश्लीलता, फूहड़ता को हमें अलविदा कहना होगा।

जिस उत्साह, उमंग, भाईचारे और प्रेम के लिए होली का त्यौहार जाना जाता रहा है, आज उनकी कमी स्पष्ट दृष्टिगोचर होती है – होली बस एक रश्मअदायगी-सी बनती जा रही है। हमारा सभ्य समाज इस त्यौहार को अपने मूल रूप में अपनाने में असमर्थ-सा दिख रहा है। **हमें अपने युवक-युवतियों, किशोर-किशोरियों को होली की मूल भावना और इसके अनूठे संदेश का भान कराना चाहिए। यह हमारा नैतिक दायित्व है कि बदलते परिप्रेक्ष्य में हमारे अमूल्य धरोहरों को बाजारीकरण के शोर में खोने न दें।**

होली जैसे महत्वपूर्ण त्यौहार अपने परिवार और परिजनों के निकट आने और खुशियों तथा भावनाओं को बाँटने के स्वर्णिम अवसर हैं। ये भावी पीढ़ी को संस्कारों से जोड़ने के लिए भी असीम सम्भावनायें प्रदान करते हैं। इन त्यौहारों में शालीनता, परिवार के सदस्यों, खासकर बुजुर्गों, का आदर एवं उनके दुख-दर्द में भागी होने की प्रवृति, फिजूलखर्ची और नशे पर अंकुश, आदि के प्रति हम उन्हें सचेत कर सकते हैं।

होली में गुलाल का प्रयोग ही ज्यादा होने लगा है। आजकल प्राकृतिक हर्बल गुलाल को ही व्यवहार में लाना चाहिए तथा इसका प्रयोग भी सीमित मात्रा में ही करें कारण आँखों में व श्वांसनली में जाने से यह हानिकारक एवं कष्टदायक हो सकता है। स्वच्छता से, शालीनता से और प्रफुल्लता से परिवार और मित्रों के साथ होली का आनंद लें। रंग-गुलाल एवं पकवानों के साथ मस्तीभरी होली की शुभकामनाएँ। होली की फुलझड़ियाँ :

साजन होली आई है
यौवन की जय, जीवन की लय
गूंज रहा है मोहक मधुमय
उड़ते रंग गुलाल, मस्ती जग में छाई है
साजन होली आई है (रचयिता: फणीश्वर नाथ रेणु)

जल उठे जंगल में पलाश
जागी है मन में नयी आस
मुस्काए अमलतास
होली आ गई (रचयिता: इला प्रसाद)

समरसता एवं भाईचारे के पवित्र पर्व होली की बहुत-बहुत शुभकामनाएँ।

जय समाज, जय राष्ट्र!

सामाजिक कार्यक्रमों को गतिमान रखना जरूरी : गोवर्धन गाड़ोदिया

'सामाजिक परिवर्तन तुरत नहीं होते इनमें समय लगता है। समाजसेवा और समाज सुधार एक सतत् चलने वाली प्रक्रिया है और इसमें लगातार लगे रहने की जरूरत होती है। हमें अपने सामाजिक कार्यों की गतिशीलता बनाये रखनी होगी और अध्यवसाय के साथ इनमें लगे रहना होगा। ये विचार अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया** ने गत १३ मार्च २०२२ को शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता स्थित सम्मेलन मुख्यालय में आयोजित राष्ट्रीय स्थायी समिति की बैठक में व्यक्त किए।

श्री गाड़ोदिया ने बैठक में सबका स्वागत किया और सम्मेलन की हालिया गतिविधियों के विषय में बताया। उन्होंने कहा कि गत लगभग दो वर्षों से सम्मेलन ने पूरे देश में कोरोना – राहत सेवाकार्यों हेतु हर स्तर से सक्रिय एवं समर्पित प्रयास किया है। सम्मेलन की प्रांतीय, प्रमंडलीय, जिला, नगर–ग्राम तक की शाखाओं ने इस सत्कृत्य में महती योगदान किया है और वे सभी साधुवाद के पात्र हैं। श्री गाड़ोदिया ने कहा कि ईश्वरकृपा से कोरोना का प्रकोप कम हुआ है तथापि हमें सतर्कता बनाये रखनी है।

बैठक में राष्ट्रीय महामंत्री **श्री संजय कुमार हरलालका** ने राष्ट्रीय स्थायी समिति की पिछली बैठक (२३ दिसम्बर २०२१; सम्मेलन मुख्यालय सभागार) का कार्यवृत प्रस्तुत किया जो सर्वसम्मति से पारित हुआ। श्री हरलालका ने सम्मेलन की हालिया गतिविधियाँ पर 'महामंत्री की रपट' प्रस्तुत करते हुए बताया कि वर्तमान सत्र में अब तक ३० विशिष्ट संरक्षक, १७ संरक्षक एवं १६०४ आजीवन, यानि कुल १६५१, नये सदस्य बने हैं। उन्होंने बताया कि संगठन–विस्तार के क्षेत्र में झारखंड एवं बिहार की प्रादेशिक शाखाओं की अग्रणी भूमिका रही है। श्री हरलालका ने सम्मेलन के भावी कार्यक्रम की रूपरेखा भी प्रस्तुत की।

सम्मेलन की आर्थिक समिति के चेयरमैन **श्री आत्माराम सोन्थलिया** सेमिनार समिति के चेयरमैन **श्री शिव कुमार लोहिया**, स्वास्थ्य समिति के चेयरमैन **श्री पवन जालान**, रोजगार सहायता समिति के चेयरमैन **श्री दिनेश जैन**, सूचना तकनीक एवं वेबसाईट समिति के चेयरमैन **श्री कैलाशपति तोदी** ने अपनी–अपनी समितियों की गतिविधियों और भावी कदमों के विषय में बताया।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री भानीराम सुरेका** ने श्री हनुमान परिषद एवम सम्मेलन के संयुक्त तत्वावधान में तारकेश्वर में चल रहे अन्नपूर्णा रसोई प्रकल्प के विषय में जानकारी दी।

राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष **श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका** ने धन्यवाद –ज्ञापन किया। बैठक में सर्वश्री नंदलाल सिंघानिया, पवन बंसल, जयगोविन्द इन्दौरिया, प्रमोद गोयनका, संदीप सेक्सरिया, नवीन गोपालिका आदि उपस्थित थे।

युवाशक्ति की प्रतिभा, परिश्रम एवं उपलब्धियाँ गौरवयोग्य : गोवर्धन गाड़ोदिया

"समाज के युवक–युवती आज जिस कुशलतापूर्वक शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा और परिश्रम से प्रतिष्ठामूलक उपलब्धियाँ हासिल कर रहे हैं, वह पूरे समाज के लिए गौरव का विषय है।" ये विचार अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया** ने गत ०५ मार्च २०२२ को सम्मेलन द्वारा जूम के माध्यम से आयोजित '**शिक्षित मारवाड़ी युवा : सफलताओं के नये क्षितिज पर**' विषयक वर्चुअल विचारगोष्ठी में व्यक्ति किए। उन्होंने कहा कि एक समय था जब समाज की बच्चियों को पर्दे से निकलने और स्कूल भेजने के लिए सम्मेलन जैसी संस्थाओं को आंदोलन करना पड़ा था और आज हमारी बेटियाँ पूरे देश में प्रथम स्थान प्राप्त कर अपने सफलताओं का परचम फहरा रही हैं। यह एक अत्यंत सुखद-सकारात्मक परिवर्तन है और गौरव का विषय है।

गोष्ठी में पूरे देश में चार्टर्ड एकाउंटेंसी की परीक्षा में प्रथम **सुश्री नंदिनी अग्रवाल** (२०२१) तथा **सुश्री राधिका बेरीवाला** (२०२२), कम्पनी सेक्रेटरीशिप में प्रथम **श्री चिराग अग्रवाल** एवं कॉस्ट एण्ड मैनेजमेंट एकाउंटेंसी इंटरमीडिएट में प्रथम **श्री सर्वेश साबू** का स्वागत–अभिनंदन किया गया, बधाइयाँ दी गई और उनसे विचार–विमर्श किया गया।

सुश्री नंदिनी अग्रवाल ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि अपेक्षित सफलता न मिलने पर भी लगातार अपना कर्म करते जाने की भावना उनकी सफलताओं के मूल में है। मुरैना, मध्य प्रदेश की निवासी नंदिनी ने कहा कि छोटे शहर में निवास या स्तरीय कोचिंग सुविधा का अभाव उनकी राह में रोड़ा नहीं बने, उनका विश्वास है – जहाँ चाह नहाँ राह।

सुश्री राधिका बेरीवाला ने परिवार और दोस्तों के महत्व को रेखांकित किया और कहा कि पढ़ाई में सभी विषयों को महत्व देना जरूरी है। उनके पिता श्री चौथमल बेरीवाला ने राधिका की सफलता को उसके परिश्रम का फल बताते हुए कहा कि सभी को अपनी बेटियों को आगे बढ़ने का अवसर देना चाहिए।

श्री चिराग अग्रवाल ने अपनी सफलता में अपने परिवार, मित्रों और पूरे समाज के योगदान का स्मरण किया और इनका आभार जताया। उन्होंने कहा कि अगर इंसान दृढ़ निश्चय कर ले तो कोई भी लक्ष्य असम्भव नहीं है।

श्री सर्वेश साबू ने कहा कि अपने अभिभावकों के चेहरे पर खुशी लाना उनका पहला लक्ष्य है। उन्होंने पढ़ाई के साथ–साथ खेलकूद एवं अन्य रुचियों को भी महत्वपूर्ण बताया।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री सीताराम शर्मा** ने इन टापर्स को प्रेरणास्रोत बताया और कहा कि छात्रों को वही विषय लेने चाहिए जिनमें उनकी रुचि हो। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री नंदलाल रूँगटा** ने उज्जवल भविष्य की मंगलकामना करते हुए उनसे युवक–युवतियों, किशोर–किशोरियों को उत्प्रेरित करने का आह्वान किया। **श्री नंदलाल सिंघानिया** ने अपनी सभ्यता–संस्कृति के प्रति सजग–सचेत रहने की आवश्यकता पर बल दिया।

धन्यवाद–ज्ञापन करते हुए सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री पवन गोयनका** ने संस्कारों के महत्व पर बल दिया। सम्मेलन की सेमिनार समिति के चेयरमैन एवं पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री **श्री शिव कुमार लोहिया** ने गोष्ठी का सरस संचालन किया। समिति के संयोजक **श्री दिनेश जैन** ने टापर्स का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत किया। गोष्ठी में सम्मेलन के राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री बसंत मित्तल, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री दामोदर बिदावतका, दिल्ली सम्मेलन के अध्यक्ष श्री लक्ष्मीपत भूतोड़िया, सर्वश्री अशोक साबू, अरुण साबू, पवन जालान, राधाकिशन सफ्फड़, हंसराज बमलवा, दीपक खेतान, राजीव अग्रवाल, किशन किल्ली, ज्योति मित्तल, जी.एस. सारडा, अशोक गुप्ता, राजगोपाल सुरेका, सुरेश अग्रवाल सहित पूरे देश से सम्मेलन के पदाधिकारियों–सदस्यों ने भाग लिया।

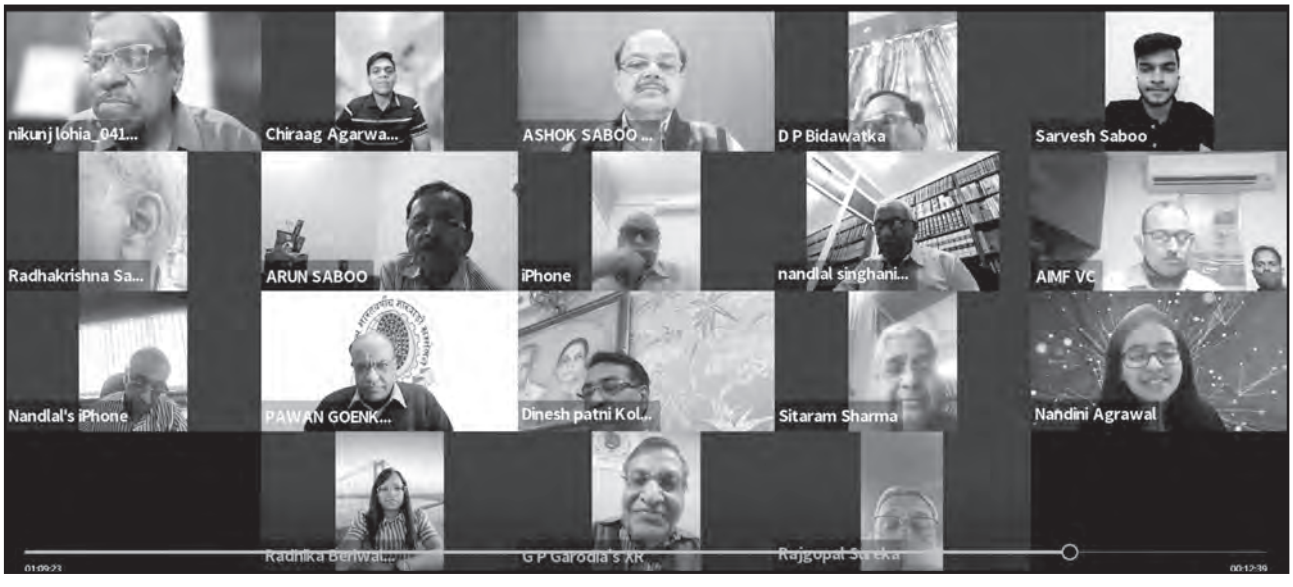

आंध्र प्रदेश सम्मेलन का अनूठा निःशुल्क कृत्रिम अंग वितरण प्रकल्प

आन्ध्र प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन ने पिछले वर्ष नवम्बर २०२१ में "दिव्यांगों को सक्षम बनाने के लिए निःशुल्क कृत्रिम हाथ, पैर और कैलीपर्स देने का कार्यक्रम" विशाखापट्टनम्, नर्सीपट्टनम् पाड़ेरू व अरूकु वैली, विजयनगरम्, श्रीकाकुलम, राजमंड्री में, उत्तरांध्रा जर्नलिस्ट फ्रंट, राजस्थानी सांस्कृतिक मंडल, प्रेमा अस्पताल के डॉ. आदिनारायण, स्थानीय दो सरकारी विभागों से और नेशनल मारवाड़ी फाउंडेशन, सिलिगुड़ी, स्थानीय समाजबंधुओं का सहयोग लेकर एक महायज्ञ रूपी परोपकार कार्य को तीन चरणों में करने का निर्णय लिया था।

विगत् नवम्बर में टेक्नीशियनों के साथ मिलकर उपरोक्त स्थानों पर कैम्प लगवाकर रजिस्ट्रेशन और मेजरमेंट लिया गया जिसमें २९५ रजिस्ट्रेशन होकर ३२३ अंगों का देना निश्चित हुआ। रजिस्ट्रेशन और मेजरमेंट कैम्प के लिए श्री आर्य वैश्या वेलफेयर एसोसिएशन-विजयनगरम, आनम रोटरी हॉल-राजमंड्री, श्री वासवी कल्याण मंडपम-नर्सीपट्टनम्, आंध्रा वनवासी कल्याण आश्रम, पाड़ेरू ने भवन निःशुल्क देकर सहयोग प्रदान किया। उसके बाद भी दिव्यांगों के फोन कॉल्स आ रहे थे जिसे दृष्टि में रखते हुए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करवाते हुए ०३,१०,११ मार्ग को तत्काल रजिस्ट्रेशन करने का प्रावधान रखकर नये रजिस्ट्रेशन करवाये गये। इस वर्ष २८ फरवरी से १५ मार्च तक "नेशनल मारवाड़ी फाउंडेशन" के टेक्नीशियनों ने श्रीकाकुलम और विशाखापट्टनम् में एक टेम्पररी वर्कशॉप लगाकर कृत्रिम अंगों को तैयार किया। श्रीकाकुलम में टेम्पररी वर्कशॉप लगाने के लिए गंगाराम पैराडाइज वालों ने भवन, बिजली और पानी निःशुल्क देकर सहयोग किया। समाज और स्थानीय बन्धुगणों ने स्वयं उपस्थित होकर एवं यथासंभव आर्थिक सहयोग प्रदान करके अपना बहुमूल्य योगदान दिया। श्रीकाकुलम और विशाखापट्टनम् में वितरण समारोह का आयोजन करके सभी रजिस्ट्रेशन कर्ताओं में करीवन ४०० निःशुल्क कृत्रिम अंग प्रदान करवाये गये।

गत ०४ मार्च २०२२ को निःशुल्क कृत्रिम अंग वितरण समारोह श्रीकाकुलम में वहाँ के **सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस अमित बरदार** ने बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित होकर कहा कि भारत के राज्यों में काफी स्थानों पर मारवाड़ी समाज द्वारा समाज सेवा का कार्य होता है। आंध्र प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन ने श्रीकाकुलम के साथ-साथ अरुकु और पाड़ेरू जैसे पिछड़े इलाकों में जाकर कैम्प लगाकर कृत्रिम अंग देकर मदद की है। यह सराहनीय कार्य है। ऐसा कहकर अपने हाथों से पहला कृत्रिम अंग वितरण किया।

गत ०९ मार्च २०२२ को विशाखापट्टनम् मे निःशुल्क कृत्रिम अंग वितरण समारोह में वृहद विशाखापट्टनम् नगर निगम के **आयुक्त जी. लक्ष्मी शाह** बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए। उन्होंने कहा कि सेवा कार्य करने में मारवाड़ी समाज के बन्धुगण हमेशा आगे रहते हैं। दूर-दूर क्षेत्रों में भी जाकर सेवा कार्य करना अत्यंत कठिन होता है लेकिन आप लोग उत्तरांध्रा के साथ-साथ एजेन्सी क्षेत्रों में जाकर विस्तृत प्रचार करके एक महान कार्य को सफलतापूर्वक सम्पन्न करने जा रहे हैं। इसके लिए आप सब बधाई के पात्र हैं।

गत १३ मार्च २०२२ को विशाखापट्टनम् में निःशुल्क कृत्रिम अंग वितरण समारोह में दक्षिण विशाखापट्टनम् के **विधायक वासुपल्ली गनेशकुमार** ने बतौर मुख्य अतिथि कहा कि विशाखापट्टनम् मारवाड़ी समाज द्वारा आयोजित तीसरे कैम्प में मुझे भागीदार बनाये हैं, यह मेरा सौभाग्य है। आप लोग भविष्य में इसी तरह के कार्यक्रम आयोजित करके स्थानीय समाज की उन्नति में आगे रहेंगे ऐसी मैं आप लोगों से उम्मीद करता हूँ। आंध्र प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री चांदमल अग्रवाल** ने बताया कि इस महायज्ञ में **चेयरमैन सुमनप्रकाशजी सरावगी, को-चेयरमैन विजेन्द्रकुमार गुप्ता, सलाहकार कन्हैयालाल पारख, सचिव पोड़ेश्वर पुरोहित, कोषाध्यक्ष संजय अग्रवाल, भूतपूर्व सचिव विजय अग्रवाल, राजस्थानी सांस्कृतिक मंडल के अध्यक्ष शंकरलाल शर्मा, यू.जे.एफ. के सचिव एन. नागेश्वरराय, संतोष बुच्चा, जयदीप मित्री, बाबूलाल पोद्दार समेत गणमान्य समाजबंधुओं का विशिष्ट योगदान रहा।**

COMPLETE ELECTRICAL SOLUTION
GARODIA
ELECTRICAL WIRES
FANS AND LIGHTS
LT PANEL, CABLE TRAY AND TRANSFORMER
WE MANUFACTURE
POWER TRANSFORMER
DISTRIBUTION TRANSFORMER
LT ELECTRICAL PANEL
PERFORATED CABLE TRAY
LADDER-TYPE CABLE TRAY
GARODIA ENTERPRISES
AARNAV POWERTECH
MARKET ROAD EAST, UPPER BAZAR
RANCHI - 834 001, JHARKHAND
www.aarnavpowertech.com
garodia@garodiagroup.com
0651-2205996

Apollo
TOUCHING LIVES

Certificate No. : M-0342
NABL Accredited

Apollo Clinic
Expertise. Closer to you.

P-72, Prince Anwar Shah Road, Opp. South City Mall, Kolkata-700 045
Tel. : 4021-2525-55, E-mail : pashahroad@theapolloclinic.com

SERVICES AT A GLANCE

- **Laboratory Services - Advanced Automatic Equipments**
- **Radiology**
  - MRI / CT / Scan | - Digital X-Ray
  - Ultrasonography | - Colour Doppler Study
- **Cardiology**
  - ECG | - Echo-Cardiography
  - Echo-Colour Doppler | - Holter Monitoring
  - Treadmill Test (TMT)
- **Wide Range of Pathology**
- **Pulmonary Function Test**
- **UGI Endoscopy / Colonoscopy**
- **Physiotherapy**
- **EEC / EMG / NCV**
- **General & Cosmetic Dentistry**
- **Elder Care Service**
- **Sleep Study (PSG)**
- **EYE / ENT Care Clinic**
- **Gynae and Obstetric Care Clinic**
- **Haematolgy Clinic**
- **Personalised Care (Injection, Dressing, ECG etc.) at your doorstep**
- **Health Check-up Packages**
- **Online Reporting**
- **Report Delivery**

Home Blood Collection

(033) 4021-2525, 97481-22475

98301 96659

Consultation I Diagnostics I Dentistry I Health Checks

श्रीकाकुलम में सम्मेलन की शाखा का गठन एवं शपथग्रहण

श्री बाबूलाल पोद्दार, श्रीकाकुलम के निवास स्थान पर गत २१ फरवरी २०२२ को बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में सर्वसम्मति से **अध्यक्ष : बाबूलाल पोद्दार, सचिव : संजय अग्रवाल, कोषाध्यक्ष : राजेन्द्र कुमार करनानी, उपाध्यक्ष : पुलकित अग्रवाल, मनोज कुमार अग्रवाल, भगवतसिंह देवड़ा, अमित टॉक, उप-सचिव : भरत राजपुरोहित, कार्यकारिणी सदस्य : पूर्णसिंह भाटी, विकास अग्रवाल, मोहित अग्रवाल (नरसन्नपेटा), जगतवर सिंह राजपुरोहित (पैड़ीभीमवरम), मल्लेश राजपुरोहित (रणस्थलम) और शांतिलाल उपाध्याय को चुना गया।** बैठक में आंध्र प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के **अध्यक्ष चांदमल अग्रवाल, सचिव पोड़ेश्वर पुरोहित** और मारवाड़ी सम्मेलन, श्रीकाकुलम के सदस्यगण उपस्थित थे।

गत ०३ मार्च २०२२ को श्रीकाकुलम के होटल ग्राण्ड में शपथग्रहण का कार्यक्रम रखा गया। आंध्र प्रदेश सम्मेलन के अध्यक्ष चांदमल अग्रवाल ने समाजबन्धुओं को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की जानकारी देकर सभी नवनिर्वाचित सदस्यों को उनकी जिम्मेदारियों से अवगत करवाते हुए शपथग्रहण करवाया। तदनन्तर अध्यक्ष चांदमल अग्रवाल सचिव पोड़ेश्वर पुरोहित, कोषाध्यक्ष संजय अग्रवाल और मारवाड़ी सम्मेलन, विशाखापट्टनम् के अध्यक्ष बिजेन्द्र कुमार गुप्ता ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष बाबूलाल पोद्दार को शाफा पहनाकर सम्मानित किया।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष बाबुलाल पोद्दार ने कहा कि श्रीकाकुलम में छोटा-सा समाज होते हुए भी हमने २८ आजीवन सदस्य बनाकर आज मारवाड़ी सम्मेलन श्रीकाकुलम की शुरूआत की है। यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि श्रीकाकुलम में नि:शुल्क कृत्रिम हाथ, पैर और कैलीपर्स बनाने का कार्यक्रम भी चल रहा है और इस कार्यक्रम में मारवाड़ी मिलन मंच, श्रीकाकुलम के सभी साथी, बन्धुगण मिलकर सहयोग कर रहे हैं। इस अवसर पर आमदलवलसा के वेंकुबाबू, गडला बाबू, रमेशजी, सुरेशजी और भास्कर रावजी ने मिलकर नवनिर्वाचित टीम का अभिनंदन किया।

होली में उपाधियों का

सर्वश्री / श्रीमती	उपाधि
सीताराम शर्मा	संरक्षक
डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया	आत्मा की आवाज
प्रह्लाद राय अगरवाला	अलंकृत
संतोष सराफ	कुशल नेतृत्व
डॉ. श्याम सुंदर हरलालका	विचारक
पवन कुमार सुरेका	मिलनसार
विजय कुमार लोहिया	दक्षिण का झण्डा
गोपाल अग्रवाल	हसमुँख
बसंत कुमार मित्तल	यत्र-तत्र-सर्वत्र
आनंद कुमार अग्रवाल	दिलदार
अशोक कुमार गुप्ता	रियल एस्टेट
आत्माराम सोन्थलिया	प्रवीण
बाबूलाल घनानिया	मैं साथ हूँ
भागचंद पोद्दार	मार्गदर्शक
विनोद तोदी	स्पष्टवक्ता
दीपक जालान	कसम के सौदागर
दीन दयाल गुप्त	भारतीय संस्कृति
हरिप्रसाद बुधिया	पुरानी यादें
जगदीश प्रसाद शर्मा	स्वास्थ्य-सेवा
जुगल किशोर जाजोदिया	सहयोगी
मधुसुदन सीकरिया	मृदुभाषी
नंदलाल सिंघानिया	मुझे कहना है
पवन कुमार जालान	कर्मठ
राज कुमार मिश्रा	दिल्ली दिलवालों की
रतन लाल बंका	साहित्यिक
सजन कुमार बंसल	प्रगति की ओर
संदीप फोगला	शिक्षाप्रेमी
सुशील कुमार अग्रवाल (धनानिया)	समाजसेवी
विवेक गुप्त	बढ़ते कदम
अशोक कुमार जैन	भलेमानुष
भरत कुमार जालान	भद्रमानुष
धर्मचंद जैन (रारा)	हितैषी

सर्वश्री / श्रीमती	उपाधि
नंदलाल रूँगटा	राजस्थानी शान
रामअवतार पोद्दार	रिटायर्ड
गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया	नये आयाम
भानीराम सुरेका	उदीयमान
पवन कुमार गोयनका	उत्तरदायित्व
अशोक कुमार जालान	राइजिंग
संजय कुमार हरलालका	समय की माँग
सुदेश कुमार अग्रवाल	मंजिले और भी हैं
दामोदर प्रसाद बिदावतका	सीकर से बोल रहा हूँ
अरुण कुमार सुरेका	दूसरी पीढ़ी
अशोक कुमार तोदी	प्रगतिशील
अतुल चुरिवाल	हिन्दुस्तानी
बनवारीलाल शर्मा (सोती)	समाजसेवी
विनय सरावगी	मायड़भाषा
विश्वनाथ भुवालका	साल्टलेक संस्कृति
देव किशन मोहता	गुलशन–गुलशन
दिनेश कुमार जैन	इम्प्लायमेंट
जगदीश प्रसाद चौधरी	इंडस्ट्रीयलिस्ट
डॉ. जुगल किशोर सराफ	बहुआयामी
कैलाशपति तोदी	समय के साथ
महावीर प्रसाद अग्रवाल	ढोल-नगाड़ा
नारायण प्रसाद डालमिया	निस्पृह
राज कुमार केड़िया	मेरी सुनो
रमेश कुमार बुबना	बात का घनी
रविन्द्र चमड़िया	मल्टीडायमेंसन
सज्जन भजनका	काम बोलता है
श्रीकुमार बांगुड़	कागजी योद्धा
सुषमा अग्रवाल	आँखो का तारा
अनिल कुमार जाजोदिया	पास भी दूर भी
बनवारी लाल मित्तल	दूरद्रष्टा
ब्रह्मनंद अगरवाला	जेंटलमैन
गौरी शंकर अग्रवाल	सदैव तत्पर

मुक्तहस्त वितरण

सर्वश्री / श्रीमती	उपाधि
गोविंद सारडा	भरोसे का आदमी
जोधराज लड्ढा	सहज लाल
कमल नोपानी	ऊँची पहुँच
किशन गोपाल मोहता	रामजी की माया
ममता बिनानी	नारी शक्ति
मुरारि लाल खेतान	सहयोगी
निर्मल कुमार काबरा	अधूरे सपने
डॉ. ओम प्रकाश प्रणव	पैनलिस्ट
पुष्पा भुवालका	धीर-गम्भीर
रमेश कुमार सरावगी	सेवाव्रती
रतन लाल अग्रवाल	भरोसे का आदमी
डॉ. सावर घनानिया	जय श्रीराम
उमेश शाह	युवा कर्मी
शिव कुमार लोहिया	कर्मण्येवाधिकारस्ते
चांदमल अग्रवाल	एक्सक्लुसिव
रमेश कुमार बंग	हैदरावादी बिरयानी
महेश जालान	अलग पहचान
ओम प्रकाश अग्रवाल	मैंने निभा दिया
राज कुमार पुरोहित	ऊँची दूकान
ओम प्रकाश खण्डेलवाल	जोशोखरोश
नंद किशोर अग्रवाल	लम्बी पारी
लक्ष्मीपत भूतोड़िया	नेकनीयत
गोविंद अग्रवाल	नई मंजिलें
संतोष खैतान	जोश की कमी नहीं
गोकुल चंद बजाज	देखता हूँ
पुरुषोत्तम सिंघानिया	दूसरी पारी
उमाशंकर अग्रवाल	कोशिश जारी है
अशोक केडिया	लगा हुआ हूँ
शिव कुमार टेकरीवाल	प्रयासरत
दीपक कुमार लखोटिया	सिपहसालार
रेखा लखोटिया	महिला उत्थान
प्रशांत खण्डेलवाल	युवा पहचान

सर्वश्री / श्रीमती	उपाधि
जगदीश गोलपुरिया	युवा तुर्क
कमल कुमार दुगड़	हितैषी
केदार नाथ गुप्ता	उत्साही
किशन लाल चौधरी	दक्षिण में विस्तार
मनीश डोकानिया	प्रेम पुजारी
निर्मल कुमार झुनझुनवाला	सुहृद
ओम प्रकाश पोद्दार	रामजी की माया
प्रेम चंद सुरेलिया	नेपथ्य से
राजकुमार तिवाड़ी	राजनैतिक चेतना
रंजीत कुमार जालान	समय की कमी
संदीप कुमार सिंघल	गुजरात में संगठन
शिव कुमार अग्रवाल	मैं भी जवान हूँ
रतन लाल शाह	राजस्थानी भाषा
श्रीगोपाल झुनझुनवाला	आल इज वेल
पोदेश्वर पुरोहित	नई पौध
रामपाल अट्टल	जानकार
योगेश तुलस्यान	करके दिखाउँगा
पवन कुमार शर्मा	नई राह
निकेश गुप्ता	संगठनकर्त्ता
अशोक कुमार अग्रवाल	धारे-धीरे रेंगना
शिव कुमार अग्रवाल	टाईम नहीं है
बसंत पोद्दार	स्वान्त सुखाय
जयदयाल अग्रवाल	नेकनीयत
संजय जाजोदिया	साथी हाथ बढ़ाना
राहुल अग्रवाल	समय का तकाजा
अमर बंसल	लगा हुआ हूँ
अशोक कुमार मूँधड़ा	सेवा संसार
डॉ. सुभाष अग्रवाल	बुलंद ईरादे
श्याम सुंदर अग्रवाल	सामाजिक एकता
शारदा लखोटिया	आधी आबादी की चिंता
कपिल लखोटिया	सशक्त नेतृत्व

होली की हार्दिक शुभकामनायें!

बिहार सम्मेलन : मार्च २०२२ माह की गतिविधियाँ

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के तत्वावधान में ४५ से भी अधिक शाखाओं ने स्थानीय स्तर पर होली मिलन समारोह का आयोजन किया। इनमें ग्रामीण, कस्बाई और शहरी शाखाओं के साथ-साथ अनेक नवगठित और पुनर्सृजित शाखाएँ भी अत्यंत उत्साहपूर्वक शामिल हुई। यह अत्यंत हर्ष का विषय तो है ही, सामाजिक एकता का संदेश देता एक सुखद संकेत भी है।

बिहार सम्मेलन के अध्यक्ष श्री महेश जालान के दिल्ली प्रवास के दौरान १९ मार्च को स्थानीय दिलखुश बाग इंडस्ट्रियल एरिया स्थित जे.बी.आर. फूड्स में दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा उनका सम्मान किया गया। इस अवसर पर सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री पवन गोयनका, दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री लक्ष्मीपत भूतोड़िया, गणगौर शाखाध्यक्ष श्री रमेश बजाज, केन्द्रीय दिल्ली शाखाध्यक्ष श्री सज्जन शर्मा, केन्द्रीय दिल्ली शाखा उपाध्यक्ष श्री पवन अग्रवाल, प्रादेशिक संयुक्त महामंत्री श्री ओम प्रकाश अग्रवाल, मारवाड़ी धरोहर के अध्यक्ष श्री उमाशंकर कमलिया, सर्वश्री हेमराज बोथरा, राजेश बोथरा, पवन शर्मा एवं छगन जी जम्मड़ आदि उपस्थित थे। सम्मेलन से संबंधित विभिन्न विषयों पर व्यापक विचार-विमर्श हुआ।

पटना सिटी के सुप्रसिद्ध मारवाड़ी व्यवसायी श्री प्रमोद बागला की ३० मार्च २०२२ को नृशंस हत्या कर दी गई। प्रादेशिक अध्यक्ष श्री महेश जालान ने तत्काल घटनास्थल पर पहुँचकर शव के साथ मुख्य मार्ग को घंटों जाम कर दिया। पूरा बाजार स्वतः बंद रहा। पुलिस प्रशासन के समक्ष दृढ़तापूर्वक दोषियों की गिरफ्तारी और व्यवसायियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की माँग रखी गई। सम्मेलन के इस साहसिक कार्रवाई की समाज में बहुत चर्चा और सराहना हुई।

होली का आनंद

आपराधिक गतिविधियों के विरुद्ध आक्रोश प्रदर्शन

दिल्ली सम्मेलन द्वारा प्रादेशिक अध्यक्ष का सम्मान

महाराष्ट्र सम्मेलन का आत्मीय अभिनंदन समारोह

महाराष्ट्र प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की जालना शाखा द्वारा गत ५ मार्च २०२२ को 'आत्मीय अभिनंदन समारोह' जालना में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष के रूप में केंद्रीय मंत्री श्री रावसाहेब दानवे एवं उद्घाटक के रूप में केंद्रीय मंत्री श्री भागवत जी कराड तथा प्रमुख अतिथि के रूप में महाराष्ट्र प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय महामंत्री श्री निकेश गुप्ता, पूर्व प्रादेशिक कैबिनेट मंत्री विधायक श्री बबनराव लोणीकर, पूर्व प्रादेशिक कैबिनेट मंत्री श्री अर्जुनराव खोतकर, पूर्व प्रादेशिक कैबिनेट मंत्री तथा महाराष्ट्र प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष श्री जयप्रकाश मूंदड़ा सहित अनेक मान्यवर मंच पर उपस्थित थे। उपरोक्त कार्यक्रम में विशेष सत्कार मूर्ति के रूप में पद्मविभूषण स्वर्गीय श्री राधेश्याम खेमका के पौत्र श्री आशुतोष खेमका एवं पद्मश्री पुरस्कृत डॉ. हिम्मतराव बावसकर तथा महाराष्ट्र चेंबर्स के अध्यक्ष श्री ललित गांधी का सत्कार किया गया। सभी मान्यवरों ने अपने मनोगत व्यक्त करते हुए आयोजक मारवाड़ी सम्मेलन के संगठन मंत्री श्री विरेन्द्र प्रकाश धोका, जालना शहर अध्यक्ष श्री सुभाष देवीदान, प्रसिद्ध उद्योगपति श्री घनश्यामदास गोयल, युवा मंच के प्रांतीय अध्यक्ष श्री उमेश पंचारिया सहित जालना शाखा का उत्कृष्ट आयोजन हेतु आभार व्यक्त किया।

श्री सीताराम शर्मा की आत्मकथा का विमोचन

यह केवल पुस्तक नहीं, जीवन का अनुभव है : केशरीनाथ त्रिपाठी

'सीताराम शर्मा एक बहुआयामी व्यक्तित्व हैं। उन्होंने कलम के साथ-साथ सामाजिक सरोकार एवं व्यापार के क्षेत्र में भी बढ़िया सामंजस्य बनाया है। अपनी इस पुस्तक में उन्होंने सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक आदि जीवन के अनेक पहलुओं को उजागर किया है। इससे बहुत कुछ सीखा जा सकता है। वह केवल पुस्तक नहीं, बल्कि जीवन का अनुभव है।' ये उद्‌गार हैं पश्चिम बंगाल के पूर्व राज्यपाल **श्री केशरीनाथ त्रिपाठी** के जो उन्होंने **श्री सीताराम शर्मा की आत्मजीवनी 'जीवन के मोड़'** का वर्चुअल माध्यम से लोकार्पण करते हुए व्यक्त किये।

श्री त्रिपाठी ने कहा कि लेखक ने विभिन्न सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए भी अपने व्यवसाय की उपेक्षा नहीं की। आत्मकथा के माध्यम से इन्होंने समाज की सफलता का रास्ता दिखाया है।

सन्मार्ग समूह के संपादक एवं स्थानीय विधायक **श्री विवेक गुप्त** ने सीताराम जी को समाज के लिये प्रेरणास्रोत बताते हुए कहा कि इनमें लक्ष्मी और सरस्वती, दोनों का समन्वय है। इन्होंने अपने एक ही जन्म में जीवन को आत्मसात कर लिया है, जो बहुत कम लोग कर पाते हैं। उन्होंने कहा कि समाज के बारे में सोचने और कुछ करने की प्रेरणा उन्हें सीतारामजी से मिलती है।

यादवपुर विश्वविद्यालय के उप-कुलपति **प्रो. सुरंजन दास** ने कहा कि सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्र में इनका हमेशा बड़ा योगदान रहा है, जो प्रशंसनीय है। उन्होंने बताया कि सबकी मदद को हमेशा तत्पर रहना और चेहरे पर मधुर मुस्कान इनकी खूबी है। वरिष्ठ पत्रकार **श्री विश्वम्भर नेवर** ने कहा कि आत्मकथा लिखना और जीवन की सच्चाई समाज के समक्ष उजागर करने में बहुत कठिनाई होती है। यह एक उपन्यास की तरह ही होता है। सीताराम जी ने बखूबी ये काम किया है।

सुप्रसिद्ध उद्योगपति **श्री श्रीकुमार बांगड़** ने कहा कि शर्माजी का बहुआयामी व्यक्तित्व इस पुस्तक में स्पष्ट झलकता है। उन्होंने श्री शर्मा को **'ए मैन ऑफ ऑल सीजन'** बताया। **मेजर जनरल अरुण रॉय** ने कहा कि यह पुस्तक नयी पीढ़ी को प्रेरणा देगी। पद्मश्री **प्रह्लाद राय अगरवाला** एवं **श्री भानीराम सुरेका** ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

इस अवसर पर लेखक श्री सीताराम शर्मा ने बताया कि अपनी आत्मकथा में उन्होंने अपने अनुभव को बड़े तटस्थ रूप से रखा है। आत्मजीवनी लिखना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है क्योंकि शब्द बता देते हैं कि लेखक ने कितनी ईमानदारी और निष्पक्षता का परिचय दिया है। उन्होंने कहा कि वे यह जानते हैं कि अपने विषय में पूरा सच लिखना सम्भव नहीं है। अपनी आत्मकथा में उन्होंने जीवन के सभी पहलुओं को ईमानदारी से उजागर करने की कोशिश की है। सकारात्मक के साथ-साथ नकारात्मक पहलुओं को भी लिखा है।

कार्यक्रम का आयोजन गत १६ मार्च २०२२ को बालीगंज, कोलकाता स्थित 'कृष्णा निवास' में किया गया जिसका संचालन अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री **श्री शिव कुमार लोहिया** ने किया।

To your taste buds, with love...

Refreshingly, yours.

Indulgently, yours.

Addictively, yours.

Spicily, yours.

Healthily, yours.

Nourishingly, yours.

Delightfully, yours.

Obsessively, yours.

Temptingly, yours.

Passionately, yours.

Snackingly, yours.

Yours Tastefully Anmol™

celebrating 25 years

BISCUITS

www.anmolindustries.com | Follow us on:

PHONEX ROADWINGS

STEVEDOR & SHORE HANDLING AGENT

Our Services

- Port Stevedoring & Cargo Handling of Both Bulk Break bulk cargo
- Shipping / Steamer Handling Agent
- Road Transportation
- In bound & Out bound Logistics
- Container Freight Services

A-1/46/1, New Paharpur Road,
Rabindranagar, Kolkata – 700 066
E-mail : phonex.roadwings@gmail.com
roadwingsinternational@gmail.com

PIC - Nikunj Gourisaria , Mob. 9833933729, E-mail : nikunj.gourisaria@gmail.com

श्री हनुमान परिषद की शतवार्षिकी महोत्सव के अन्तर्गत आयोजित हुआ होली मिलन समारोह

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की सहयोगी एवं कोलकाता महानगर की प्राचीनतम सेवा संस्थाओं में से एक श्री हनुमान परिषद के शतवार्षिकी महोत्सव के अन्तर्गत गत १२ मार्च २०२२ को साल्टलेक, कोलकाता स्थित मेवाड़ बैंक्वेट में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया** ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

मुख्य वक्ता के रूप में समारोह को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री सीताराम शर्मा** ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि श्री हनुमान परिषद की १०० वर्ष की सेवायात्रा संस्था के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, सदस्यों की दृढ़ इच्छाशक्ति को दर्शाती है। सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गाड़ोदिया ने कहा कि जिस पेड़ की जड़े जमीन से जुड़ी होती है, वही पेड़ लहलहाता है। इसलिए समाज अपनी विशिष्ट पहचान को बनाये रखने के लिए परिवार के बच्चों को अपनी प्राचीन परम्पराओं से जोड़े। उद्घाटनकर्ता के रूप में कार्यक्रम में उपस्थित हुए **पद्मश्री प्रह्लादराय अगरवाला** ने कहा कि हँसने की सबसे बड़ी कला ईश्वर ने सिर्फ इंसान को दी है। इसलिए जरूरी है कि इंसान खुद भी हँसता रहे और अन्यों को भी हँसाता रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में उपस्थित विधायक **श्री विवेक गुप्त**, उद्योगपति व समाजसेवी **श्री प्रह्लाद राय गोयनका** (गांगेय), **श्री कुंजबिहारी अग्रवाल** (रूपा), **श्री बजरंगलाल बागलवा, श्री रतनलाल अग्रवाल, श्री विजय गुजरवासिया, श्री नंदकिशोर अग्रवाल, श्री बाबूलाल धोणा, श्री नंदकिशोर शर्मा** व चेयरमैन **श्री जगदीश बेड़िया** आदि का भी संस्था की ओर से राजस्थानी परम्परा अनुसार पगड़ी और मुक्ताहार पहनाकर सम्मान किया गया।

परिषद के मुख्य सलाहकार **श्री भानीराम सुरेका** ने उपस्थित अतिथियों के साथ परिषद के वर्षों पुराने आत्मीयतापूर्ण सम्बधों का जिक्र किया। परिषद के अध्यक्ष **श्री कृष्ण कुमार सिंघानिया** ने कहा कि अभी तक का यह सफर समर्पित कार्यकर्ताओं और सहयोगियों के दम पर ही पूरा हुआ है। आगे भी सभी का साथ हमें इसी तरह मिलता रहेगा, हमें पूरा विश्वास है। होलिकोत्सव आयोजन समिति के मुख्य संयोजक श्री जगदीश प्रसाद सिंघी, सर्वश्री दामोदर प्रसाद बिदावतका, काशी प्रसाद धेलिया, संजय शर्मा, राजेश अग्रवाल, ललिता अग्रवाल, अविनाश गुप्ता, विकास डीडवानिया, कृष्ण बेड़िया, मुरारी बेड़िया, रवि लोहिया, ध्रुव सिंह, कमल अग्रवाल आदि आयोजन की सफलता के लिए सक्रिय रहे। श्रीमती सुनीता लोहिया ने गणेश वंदना एवं स्वागत गीत तथा फतेहपुर राजस्थान से आये ढप पार्टी के कलाकारों ने राजस्थानी गीत-संगीत का रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

मारवाड़ी बिहू

– गोपाल जालान
गुवाहाटी, असम

[पूरे देश के कोने-कोने में बसे मारवाड़ी समाज की एकमात्र राष्ट्रीय प्रतिनिधि संस्था अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन सदैव से इस बात का हामी रहा है कि हम जहाँ भी रहते हैं, वहाँ के लोगों से समरस हो जाना चाहिए; दूध में चीनी की तरह मिल जाना चाहिए। असम के लोकप्रिय मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा एवं मारवाड़ी संगठनों की पहल स्वागतयोग्य है और सम्मेलन की 'समरसता' की अवधारणा को पुष्ट करती है। प्रस्तुत आलेख 'दैनिक पूर्वोदय' में प्रकाशित हुआ था और उन्हें आभार व्यक्त करते हुए पुनर्प्रकाशित है।
– संपादक]

जबरन चंदा उगाही के खिलाफ शुरू से मुखर रहे **डॉ. हिमंत विश्व शर्मा** ने राज्य में बसे मारवाड़ियों से चंदा लेकर बिहू आयोजित करने के बजाए मारवाड़ी समाज को ही बिहू का आयोजन करने की जिम्मेदारी सौंपने की बात कहकर एक नई चर्चा को जन्म देने का काम किया है। इस प्रसंग में उन्होंने यह भी कहा कि मारवाड़ियों से चंदा लेकर बिहू आयोजित करना असमिया जाति के लिए शर्म की बात है। डॉ. शर्मा की कही इस बात को एक बड़े पटल पर देखे जाने की आवश्यकता है। वैसे भी बिहू का पर्व वृहत्तर असमिया जाति का पर्व है और असम में रहने वाले, असमिया कहकर स्वयं का परिचय देने वाले, सभी बिहू को मनाने के अधिकारी है। वैसे भी असम के जातीय पर्व बिहू को मारवाड़ी, बिहारी में विभक्त नहीं किया जा सकता।

डॉ. शर्मा जब मारवाड़ियों को बिहू के आयोजन की जिम्मेदारी सौंपने की बात कहते हैं तो मेरे हिसाब से बिहू के आयोजन में मारवाड़ियों की सहभागिता, सक्रिय सहयोगिता की बात कहते हैं। राज्य में कहीं भी स्थानीय समाज के संपूर्ण व सक्रिय सहयोग से और मारवाड़ियों की अगुवाई में बिहू का सफल आयोजन किया जाता है तो इससे देश-दुनिया में एक समन्वय का संदेश जाएगा। इस प्रकार का कोई भी आयोजन चाहे वह शिल्पी दिवस हो अथवा राभा दिवस वृहत्तर असमिया समाज की बुनियाद को मजबूती प्रदान करने का काम करेगा।

यह एक सुनहरा मौका है जब मारवाड़ी समाज के युवा स्थानीय परंपरा, कला-संस्कृति के और अधिक निकट आ सकते हैं। मारवाड़ी बहन-बेटियाँ लाडू-पीठा जैसे परंपरागत पकवान बनाना सीख सकती हैं। कुल मिलाकर सीखने-सीखाने के इस सिलसिले को शुरू किए जाने की जरूरत है। मारवाड़ी समाज में ऐसे बहुत से युवा हैं, जो बिहू गायन, बिहू नृत्य और स्थानीय गायकों के कालजयी गीत गाने में पारंगत हैं। मगर वैसे कलाकरों को न तो अब तक मंच मिला है और न ही पहचान। नीलम-दुर्गा अग्रवाल नामक दंपति पिछले कई दशकों से मंच पर बिहू नृत्य करते जा रहे हैं। महेश हरलालका, संदीप चमड़िया ज्योति संगीत, भूपेन हजारिका के गीत को जब अपनी मखमली आवाज में गाते हैं तो श्रोता भाव विभोर हो जाते हैं। मगर मारवाड़ी समाज के ऐसे कलाकार आज भी गुमनामियों के अंधेरे में हैं। डॉ. शर्मा की इस सलाह पर अमल करते हुए राज्य के कई मारवाड़ी संगठनों ने अपने बूते बिहू के आयोजन करने की बात कही है। मारवाड़ी संगठनों की इस पहल का स्वागत किया जाना चाहिए, मगर ध्यान रखना होगा कि बिहू के आयोजन के नाम पर कहीं 'हैप्पी बिहू' अर्थात बिहू का विकृतिकरण न हो। अबकी बार मारवाड़ी संगठनों द्वारा आयोजित बिहू पर जातीय संगठन और स्थानीय समाज की विशेष नजर होगी, लिहाजा यह सौ प्रतिशत सुनिश्चित करना होगा कि बिहू के आयोजन में रत्ती भर भी त्रुटि न रह जाए। बिहू से जुड़े सभी रीति-रिवाजों का सही ढंग से पालन हो, आयोजन में पूरी गंभीरता और पवित्रता हो। इसके लिए स्थानीय समाज और जानकारों की सलाह व सहयोग लेना भी एक समझदारी भरा कदम होगा। मेरी समझ में बिहू जैसे पर्व की सफलता जन-भागीदारी पर निर्भर करती है। बिहू का संदेश ही सामूहिकता में छिपा है। मिलजुल कर गाना-खाना और खुशियाँ मनाना बिहू का सार है। लिहाजा बिहू के मंच और दर्शकदीर्घा में मारवाड़ी समाज की उपस्थिति जरूर दिखनी चाहिए। सैंकड़ों सालों से असम में बसे मारवाड़ियों के सामने मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने बिहू के आयोजन की जो चुनौती प्रस्तुत की है, उसे सफलतापूर्वक पूरा करने में मुख्यमंत्री का सम्मान और मारवाड़ियों का आत्मसम्मान दोनों ही निहित है।

यदि मैं अपने अनगिनत दोषों के बावजूद स्वयं से प्यार कर सकता हूँ, तो कैसे मैं किसी दूसरे की कुछ गलतियों की झलक पाते ही उससे घृणा कर सकता हूँ?

— स्वामी विवेकानन्द

ससुर का चश्मा

घर की नई नवेली इकलौती बहू एक प्राइवेट बैंक में बड़े ओहदे पर थी। उसकी सास तकरीबन एक साल पहले ही गुज़र चुकी थी। घर में बुज़ुर्ग ससुर और उसके पति के अलावे कोई न था। पति का अपना कारोबार था।

पिछले कुछ दिनों से बहू के साथ एक विचित्र बात होती। बहू जब जल्दी–जल्दी घर का काम निपटा कर ऑफिस के लिए निकलती, ठीक उसी वक्त ससुर उसे आवाज़ देते और कहते, "बहू, मेरा चश्मा साफ कर मुझे देती जा।"

रोज ऑफिस के लिए निकलते समय बहू के साथ यही होता। काम के दबाव और देर होने के कारण कभी–कभी बहू मन ही मन झल्ला जाती लेकिन फिर भी अपने ससुर को कुछ बोल नहीं पाती। जब बहू अपने ससुर के इस आदत से पूरी तरह ऊब गई तो उसने पूरे माजरे को अपने पति के साथ साझा किया। पति को भी अपने पिता के इस व्यवहार पर बड़ा ताज्जुब हुआ लेकिन उसने अपने पिता से कुछ नहीं कहा।

पति ने अपनी पत्नी को सलाह दी कि तुम सुबह उठने के साथ ही पिताजी का चश्मा साफ करके उनके कमरे में रख दिया करो, फिर ये झमेला समाप्त हो जाएगा। अगले दिन बहू ने ऐसा ही किया और अपने ससुर के चश्मे को सुबह ही अच्छी तरह साफ करके उनके कमरे में रख आई।

लेकिन फ़िर भी उस दिन वही घटना पुनः हुई और ऑफिस के लिए निकलने से ठीक पहले ससुर ने अपनी बहू को बुलाकर उसे चश्मा साफ़ करने के लिए कहा। बहू गुस्से में लाल हो गई लेकिन उसके पास कोई चारा नहीं था। बहू के लाख उपायों के बावजूद ससुर ने उसे सुबह ऑफिस जाते समय आवाज़ देना नहीं छोड़ा।

धीरे-धीरे समय बीतता गया और ऐसे ही कुछ वर्ष निकल गए। अब बहू पहले से कुछ बदल चुकी थी। धीरे–धीरे उसने अपने ससुर की बातों को नजरअंदाज करना शुरू कर दिया और फिर ऐसा भी वक्त चला आया जब बहू अपने ससुर को बिलकुल अनसुना करने लगी। ससुर के कुछ बोलने पर वह कोई प्रतिक्रिया नहीं देती और बिलकुल ख़ामोशी से अपनो काम में मस्त सहती। गुज़रते वक़्त के साथ ही एक दिन बेचारे बुज़ुर्ग ससुर भी गुज़र गए।

समय का पहिया कहाँ रुकने वाला था, वो घूमता रहा। छुट्टी का एक दिन था। अचानक बहू के मन में घर की साफ़–सफाई का ख़याल आया। वो अपने घर की सफ़ाई में जुट गई। तभी सफाई के दौरान मृत ससुर की डायरी उसके हाथ लग गई।

बहू ने जब अपने ससुर की डायरी को पलटना शुरू किया तो उसके एक पन्ने पर लिखा था – "दिनांक २६.१०.२०१९... आज के इस भागदौड़ और बेहद तनाव व संघर्ष भरी ज़िंदगी में, घर से निकलते समय, बच्चो अक्सर बड़ों का आशीर्वाद लेना भूल जाते हैं, जबकि बुजुर्गों का यही आशीर्वाद मुश्किल समय में उनकेलिए ढाल का काम करता है। बस इसीलिए, जब तुम चश्मा साफ कर मुझे देने के लिए झुकती थी तो मैं मन ही मन, अपना हाथ तुम्हारे सिर पर रख देता था क्योंकी मरने से पहले तुम्हारी सास ने मुझे कहा था कि बहू को अपनी बेटी कीतरह प्यार से रखना और उसे ये कभी भी मत महसूस होने देना कि वो अपने ससुराल में है और हम उसके माँ–बाप नहीं हैं। उसकी छोटी–मोटी गलतियाँ को उसकी नादानी समझकर माफ़ कर देना। वैसे मेरा आशीष सदा तुम्हारे साथ है बेटा...।" डायरी पढ़कर बहू फूट–फूट कर रोने लगी।

आज उसके ससुर को गुजरे दो साल से ज़्यादा समय बीत चुका है लेकिन फ़िर भी वो रोज घर से बाहर निकलते समय अपने ससुर का चश्मा साफ़ कर, उनके टेबल पर रख दिया करती है, उनके अनदेखे हाथ से आशीष की लालसा में।

जीवन में हम रिश्तों का महत्व महसूस नहीं करते हैं, चाहे वो किसी से भी हों, कैसे भी हों और जब तक महसूस करते हैं, तब तक वह हमसे बहुत दूर जा चुके होते हैं!!

इस हाथ ले, उस हाथ दे!

गाँव में एक किसान रहता था जो दूध से दही और मक्खन बनाकर बेचने का काम करता था। एक दिन उसकी पत्नी ने उसे मक्खन तैयार करके दिया और किसान उसे बेचने के लिए अपने गाँव से शहर की तरफ रवाना हुआ। मक्खन गोल पेढ़ो की शक्ल में बना हुआ था और हर पेढ़े का वज़न एक किलो था।

शहर में किसान ने उस मक्खन को हमेशा की तरह एक दुकानदार को बेच दिया और दोकानदार से चाय पत्ती, चीनी, तेल और साबुन वगैरत खरीदकर वापस अपने गाँव को रवाना हो गया।

किसान के जाने के बाद दुकानदार ने मक्खन को फ्रिज़र में रखना शुरू किया तो उसे खयाल आया कि क्यूँ ना एक पेढ़े का वज़न किया जाए। वज़न करने पर पेढ़ा सिर्फ ९०० ग्राम का निकला। हैरत और निराशा से उसने सारे पेढ़े तोल डाले मगर किसान के लाए हुए सभी पेढ़े ९००-९०० ग्राम के ही निकले।

अगले हफ्ते फिर किसान हमेशा की तरह मक्खन लेकर जैसे ही दुकानदार की दहलीज़ पर चढ़ा, दुकानदार ने किसान से चिल्लाते हुए कहा, "दफा हो जा, किसी बेईमान और धोखेबाज़ शख्स से कारोबार करना, पर मुझसे नहीं। ९०० ग्राम मक्खन को पूरा एक किलो कहकर बेचने वाले शख्स की में शक्ल भी देखना गवारा नही करता।"

किसान ने बड़ी विनम्रता से दुकानदार से कहा, "मेरे भाई, मुझसे नाराज ना हो। हम तो गरीब और बेचारे लोग हैं, माल तोलने के लिए बाट खरीदने की हमारी हैसियत कहाँ? आपसे जो एक किलो चीनी लेकर जाता हूँ, उसी को तराजू के एक पलड़े मे रखकर दूसरे पलड़े मे उतने ही वज़न का मक्खन तोलकर ले आता हूँ।"

जो हम दूसरों को देंगे, वही लौट कर आयेगा – चाहे वो इज्जत–सम्मान हो, या फिर धोखा!

देव-स्तुति

[गतांक से आगे]

– डॉ. जुगल किशोर सर्राफ

न विद्यते यस्य च जन्म कर्म वा
न नामरूपे गुणदोष एव वा।
तथापि लोकाप्ययसम्भवाय यः
स्वमायया तान्यनुकालमुच्छति।।
तस्मै नमः परेशाय ब्रह्मणेऽनन्तशक्तये।
अरूपायोरुरूपाय नम आश्चर्यकर्मणे।।

पूर्ण पुरुषोत्तम भगवान् भौतिक जन्म, कार्य, नाम, रूप, गुण अथवा दोष से रहित हैं। इस दृश्य जगत का जिस अभिप्राय से सृष्टितथा विनाश होता रहता है, उसकी पूर्ति के लिए वे अपनी मूल अन्तरंगा शक्ति द्वारा भगवान् रामचन्द्र या कृष्ण जैसे मानव सदृश रूप में आते हैं। उनकी शक्ति असीमित तथा महान् है और वे भिन्न-भिन्न रूपों में भौतिक कल्मष से सर्वथा मुक्त होकर अद्भुत कर्म करते हैं। अतएव वे परब्रह्म हैं। मैं उन्हे नमस्कार करता हूँ।

नम आत्मप्रदीपाय साक्षिणे परमात्मने।
नमो गिरां विदूराय मनसश्चेतसामपि।।

मैं उन आत्मप्रकाशित परमात्मा को सादर नमस्कार करता हूँ जो प्रत्येक हृदय में साक्षी स्वरूप स्थित हैं, व्यष्टि जीवात्मा को प्रकाशित करते हैं और जिन तक मन, वाणी अथवा चेतना के प्रयासों द्वारा नहीं पहुँचा जा सकता।

सत्त्वेन प्रतिलभ्याय नैष्कर्म्येण विपश्चिता।
नमः कैवल्यनाथाय निर्वाणसुखसंविदे।।

भगवान् की अनुभूति उन शुद्ध भक्तों को होती है, जो भक्तियोग की दिव्य स्थिति में रहकर कर्म करते हैं। वे अकलुषित सुख को प्रदान करने वाला हैं और दिव्यलोक के स्वामी हैं। अतएव मैं उन्हें नमस्कार करता हूँ।

नमः शान्ताय घोराय मूढ़ाय गुणधर्मिणे।
निर्विशेषाय साम्याय नमो ज्ञानधनाय च।।

मैं सर्वव्यापी भगवान् वासुदेव को, भयानक रूप में भगवान् नृसिंह देव को, पशु रूप में भगवान् वराह देव को, निर्विशेषवाद का उपदेश देने वाले भगवान् दत्तात्रेय को, निर्वाण रूप में भगवान् बुद्ध को तथा अन्य समस्त अवतारों को नमस्कार करता हूँ। मैं उन भगवान् को सादर नमस्कार करता हूँ, जो निर्गुण हैं, किन्तु इस दृश्य जगत में सतो, रजो तथा तमो गुणों को स्वीकार करते हैं। मैं निर्विशेष ब्रह्मतेज को भी सादर नमस्कार करता हूँ।

क्षेत्रज्ञाय नमस्तुभ्यं सर्वाध्यक्षाय साक्षिणे।
पुरुषायात्ममूलाय मूलप्रकृतये नमः।।

मैं आपको नमस्कार करता हूँ। आप परमात्मा, तथा जो कुछ घटित होता है उसके साक्षी हैं। आप परम पुरुष, प्रकृति तथा समय भौतिक शक्ति के उद्गम हैं। आप भौतिक शरीर के भी स्वामी हैं। अतएव आप परम पूर्ण हैं। मैं अपको सादर नमस्कार करता हूँ।

नमो नमस्तेऽखिलकारणाय
निष्कारणायाद्भुतकारणाय।
सर्वागमाम्नायमहार्णवाय
नमोऽपवर्गाय परायणाय।।

हे भगवान्, आप समस्त कारणों के कारण हैं, किन्तु आपका अपना कोई कारण नहीं हैं, अतएव आप हर वस्तु के अद्भुत कारण हैं। मैं आपको अपना सादर नमस्कार अर्पित करता हूँ। आप पञ्चरात्र तथा वेदान्तसूत्र जैसे शास्त्रों में निहित वैदिक ज्ञान के आश्रय हैं, जो आपके ही साक्षात् स्वरूप हैं और परम्परा पद्धति के स्रोत हैं। चूँकि मोक्ष प्रदान करने वाला आप ही हैं अतएव आप ही अभ्यात्मवादियों के एक मात्र आश्रय हैं। मैं आपको सादर नमस्कार करता हूँ।

गुणारणिच्छन्नचिदुष्मपाय
तत्क्षोभविस्फूर्जितमानसाय।
नैष्कर्म्यभावेन विवर्जितागम–
स्वयंप्रकाशाय नमस्करोमि।।

हे भगवान्! जिस तरह अरणि–काष्ठ में अग्नि ढकी रहती है उसी तरह आप तथा आपका असीम ज्ञान प्रकृति के भौतिक गुणों से ढका रहता है। किन्तु आपका मन प्रकृति के गुणों के कार्यकलापों पर ध्यान नहीं देता। जो व्यक्ति आध्यात्मिक ज्ञान में बड़े-चढ़े हैं, वे वैदिक वाङ्मय में निर्देशित विधि-विधानों के अधीन नहीं होते। चूँकि ऐसे उन्नत लोग दिव्य होते हैं अतएव आप स्वयं उनके शुद्ध मन में प्रकट होते हैं। अतः मैं आपको सादर मस्कार करता हूँ।

मादृक्प्रपन्नपशुपाशविमोक्षणाय
मुक्ताय भूरिकरुणाय नमोऽलयाय।
स्वांशेन सर्वतनुभृन्मनसि प्रतीत–
प्रत्यग्दृशे भगवते बृहते नमस्ते।।

चूँकि मुझ जैसे पशु ने परममुक्त आपकी शरण ग्रहण की है, अतएव आप निश्चित् रूप से मुझे इस संकटमय स्थिति से उबार लेंगे। निस्सन्देह, अत्यन्त दयालु होने के कारण आप निरन्तर मेरा उद्धार करने का प्रयास करते हैं। आप अपने परमात्मा-रूप अंश से समस्त देहधारी जीवों के हृदय में स्थित हैं। आप प्रत्यक्ष दिव्य ज्ञान के रूप में विख्यात हैं और आप असीम हैं। हे भगवान्! मैं आपको सादर नमस्कार करता हूँ।

RAMKRISHNA FORGINGS LIMITED

RAMKRISHNA FORGINGS LIMITED (RKFL) is India's Second biggest and leading Integrated Forging cum Machining Company. RKFL have Closed Die Forging Hammers, Upsetters, Ring Rolling & Press Lines from 2000 to 12500 Tons. RKFL is a supplier of major OEM's, Tier 1, suppliers globally for Automotive, Mining, Earth Moving, Oil & Gas, Railways and General Engineering Industries.

The Company is accredited with IATF 16949, ISO 14001 (EMS), OSHAS 18001, AS9100D and Testing Laboratories are NABL accredited (ISO/IEC 17025:2005). Its Corporate Office is located is Kolkata & Facilities are in Jamshedpur.

RKFL's product is exported to North America, South America, Europe, Australia, UK, Turkey and Asian Countries.

Regd. & Corporate Office:

23, Circus Avenue, 9th Floor,
Kolkata – 700 017, West Bengal, India.
Office phone : +(91) 033 4082 0900 / 7122 0900
Email – info@ramkrishnaforgings.com
Web site – www.ramkrishnaforgings.com

Overseas Office at:

Detroit-USA, Toluca-Mexico, Istanbul-Turkey.

Plants at:

Plant I, III, IV, V, VI & VII at Jamshedpur, India
Plant: II at Liluah, Howrah, India

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2021-2023
Date of Publication - 31st March 2022
RNI Regd. No. 2866/1968

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com